निदेशक मण्डल की रिपोर्ट का अनुबंध–IV

एकीकृत रिपोर्ट

एकीकृत रिपोर्ट, बाह्य परिवेश, जिससे अल्पावधि, मध्यम–अवधि और दीर्घावधि में मूल्य सृजन होता है, के संदर्भ में किसी संगठन की कार्यनीति, अभिशासन, प्रदर्शन और अपेक्षाओं के संबंध में एक संक्षिप्त संचार है।

एकीकृत रिपोर्ट का उद्देश्य किसी संगठन द्वारा प्रयुक्त और प्रभावित संसाधनों और संबंधों के बारे में अंतर्दृष्टि प्रदान करना है। इसमें किसी संगठन द्वारा समय के साथ मूल्यों के सृजन के तरीकों की व्याख्या भी अपेक्षित होती है। मूल्यों का सृजन केवल संगठन द्वारा या उसके भीतर ही नहीं किया जाता बल्कि यह प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से विभिन्न कारकों, जो निम्नलिखित द्वारा प्रभावित होते हैं, पर निर्भर करता है:

- बाह्य परिवेश
- पणधारियों के साथ संबंध
- विभिन्न संसाधन

एकीकृत रिपोर्ट , पणधारियों की विधि–संगत गैर–वित्तीय आवश्यकताओं को समझने, उन पर विचार करने तथा निर्णयों, कार्रवाइयों और प्रदर्शन के साथ–साथ अनवरत संप्रेषण के माध्यम से उनका समाधान करने के तरीकों का प्रकटन कर, पारदर्शिता और जवाबदेही, जो विश्वास और लचीलेपन के लिए महत्वपूर्ण है, को बढ़ावा देती है। यह किसी संस्था की वित्तीय पूंजी से परे उसके द्वारा आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय प्रणाली में योगदान करके सृजित किए गए मूल्यों की समग्र दृष्टि है। इसका वास्तविक उद्देश्य, व्यवसाय कार्यनीति से सततता को जोड़ना और गैर–वित्तीय अधिमान्य क्षेत्रों की पहचान करने में कंपनी एवं इसके पणधारियों की सहायता करना है।

आरईसी ने व्यवसायों में दीर्घकालिक निर्णय लेने और योजना बनाने में मार्गदर्शन करने वाली छह पूंजियों के माध्यम से व्यवसाय प्रकटनों पर निर्भर करते हुए, स्वेच्छा से इस रिपोर्ट को तैयार किया है और इंटरनेशनल इंटीग्रेटेड रिपोर्टिंग काउंसिल (आईआईआरसी) के फ्रेमवर्क को अपनाया है। एकीकृत रिपोर्ट को निम्नलिखित पूंजियों को शामिल कर तैयार किया गया है:

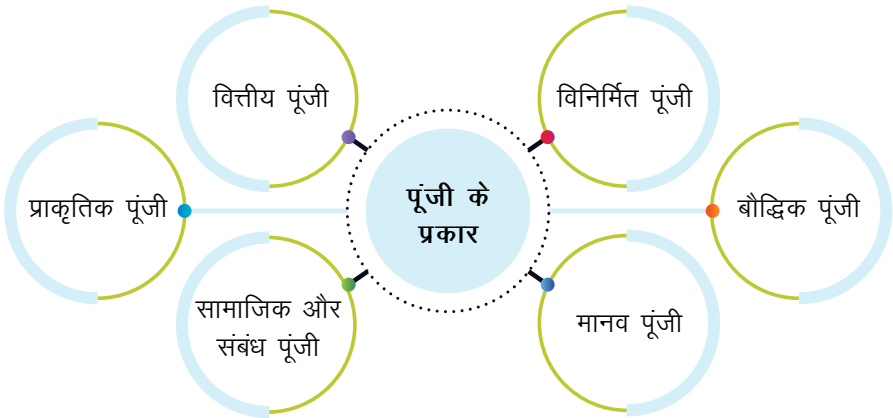

वित्तीय पूंजी

परिसंपत्ति सृजन और इससे संबंधित कार्यों के संचालन हेतु उपयोग किए जाने के लिए उपलब्ध निधियों को वित्तीय पूंजी कहा जाता है। इसमें प्रचालनों, वित्तपोषण और निवेश गतिविधियों के माध्यम से सृजित निधियां भी शामिल हैं। वित्तीय पूंजी किसी भी संगठन में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यह वर्ष–दर–वर्ष कंपनी के वित्तीय प्रदर्शन में प्रतिबिंबित होती है।

वित्तीय पूंजी में कारोबार (टर्नओवर), राजस्व, करोपरांत लाभ जैसे प्रमुख प्रदर्शन संकेतकों को कवर किया जाता है। आरईसी, अपनी वित्तीय पूंजी के माध्यम से, वित्तीय पूंजी के प्रदाताओं को सतत और निरंतर वित्तीय प्रतिलाभ में सक्षम बनाते हुए मूल्य–सृजन में सक्षम रहा है। आरईसी के प्रमुख प्रदर्शन संकेतक इस प्रकार हैं:

वित्तीय वर्ष 2020–21 के लिए संवितरण, पिछले वित्तीय वर्ष के ₹75,667 करोड़ की तुलना में बढ़कर ₹92,987 करोड़ हो गया। वित्तीय वर्ष 2020–21 के दौरान एकल (स्टैंडअलोन) आधार पर आरईसी की कुल आय, पिछले वित्तीय वर्ष के ₹29,829 करोड़ की तुलना में, ₹35,410 करोड़ थी। वित्तीय वर्ष 2020–21 के लिए निवल लाभ, पिछले वित्तीय वर्ष के ₹4,886 करोड़ की तुलना में बढ़कर ₹8,362 करोड़ हो गया।

परिसंपत्ति की गुणवत्ता में निरंतर सुधार की प्रवृत्ति के साथ, निवल ऋण–ग्रस्त परिसम्पत्तियां (चरण III) दिनांक 31 मार्च, 2020 तक की स्थिति के अनुसार 3.32% की तुलना में कम होकर दिनांक 31 मार्च, 2021 तक की स्थिति के अनुसार 1.71% हो गई है। कंपनी के प्रावधान कवरेज अनुपात में भी सुधार हुआ है जो दिनांक 31 मार्च, 2020 तक की स्थिति के अनुसार 49.65% की तुलना में दिनांक 31 मार्च, 2021 तक की स्थिति के अनुसार 64.59% हो गया है। कंपनी के पूंजी पर्याप्तता अनुपात में भी क्रमिक सुधार हुआ है, जो 31 मार्च, 2021 तक की स्थिति के

अनुसार 19.72% हो गया है, जो कंपनी के भावी विकास में मददगार होगा। आरईसी की सकल ऋण परिसंपत्ति बही दिनांक 31 मार्च, 2020 के ₹3,22,425 करोड़ की तुलना में बढ़कर दिनांक 31 मार्च, 2021 तक की स्थिति के अनुसार ₹3,77,418 करोड़ हो गई है।

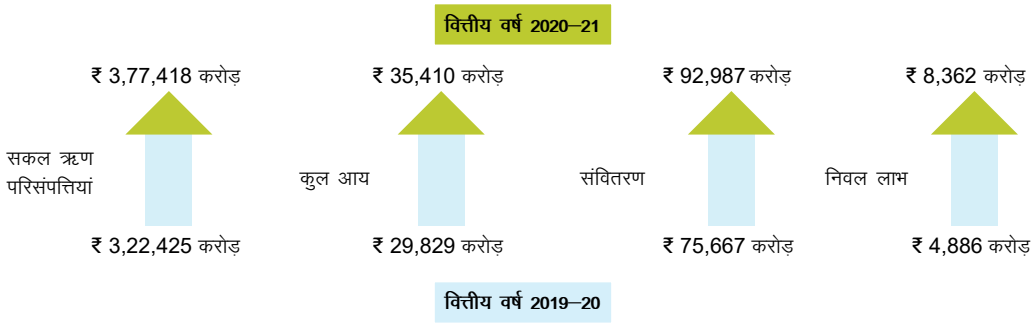

आरईसी, अपनी वित्तीय पूंजी के माध्यम से, अपने पणधारियों के लिए मूल्य में बढ़ोत्तरी कर रही है और विद्युत क्षेत्र के विकास में योगदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसके अलावा, आरईसी, सरकार को करों का भुगतान करने में अनुशासन–बद्ध रहा है, जिससे यह देश की समग्र वृद्धि और विकास को बढ़ावा दे रहा है।

पूंजी के उपयोग को वित्तीय पूंजी में पर्याप्त रूप से दर्शाया गया है, जिससे मानव पूंजी और सामाजिक और संबंध पूंजी में सुधार होता है।

विनिर्मित पूंजी

विनिर्मित पूंजी मौटे तौर पर भौतिक वस्तुएं होती हैं जिन्हें प्रायः किसी संगठन द्वारा बिक्री के लिए निर्मित किया जाता है या अपने स्वयं के उपयोग के लिए बनाए रखा जाता है, जिनमें वस्तुओं, भवनों, अवसंरचना और उपकरणों आदि के निर्माण में उपयोग के लिए संगठन में उपलब्ध वस्तुएं शामिल होती हैं। एक गैर–बैंकिंग वित्तीय कंपनी होने के नाते, आरईसी के पास कोई विनिर्माण सुविधा नहीं है तथा यह विद्युत परियोजनाओं और योजनाओं को वित्तपोषण करने का कार्य करता है। प्रमुख सामग्री आवश्यकताओं में बिजली, कार्यालय आपूर्ति, संचार और सूचना प्रौद्योगिकी संबंधी उपकरण शामिल हैं। दक्षता बनाए रखने और इसमें सुधार करने के उद्देश्य से, आरईसी आईटी प्रणाली, अवसंरचना और भौतिक परिसंपत्तियों आदि के उन्नयन में निवेश करती है।

आरईसी का गुरुग्राम में अत्याधुनिक केंद्रीय कार्यालय है, जिसमें उन्नत प्रणालियों और प्रौद्योगिकी का उपयोग करके एक सहयोगी कार्य–परिवेश को बढ़ावा दिया जाता है। कंपनी अपने सभी कर्मचारियों को आईटी उपकरणों, स्मार्ट गैजेट्स, वीपीएन कनेक्शन आदि उपयुक्त रूप से उपलब्ध कराती है, ताकि उन्हें दूर से, कुशलतापूर्वक और निर्बाध रूप से काम करने के लिए सशक्त बनाया जा सके, जिससे महामारी के दौर में भी व्यवसाय की निरंतरता सुनिश्चित की जा सके। इसके अतिरिक्त, कुशल रीति से अपने पणधारियों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए, पूरे देश में आरईसी के अपने विभिन्न क्षेत्रीय और राज्य–कार्यालय मौजूद हैं।

विनिर्मित्त पूंजी, आरईसी को मानव पूंजी के साथ–साथ बौद्धिक पूंजी का सम्पूर्ण उपयोग करने में मदद करती है।

बौद्धिक पूंजी

बौद्धिक पूंजी ऐसी अमूर्त परिसंपत्तियां हैं जो कंपनी की वित्तीय स्थिति को सुदृढ़ बनाती हैं। इन परिसंपत्तियों में कर्मचारियों की विशेषज्ञता, संगठनात्मक प्रक्रियाएं और संगठन के भीतर निहित ज्ञान का भंडार और ब्रांड की प्रतिष्ठा शामिल हैं।

आरईसी, विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार की राष्ट्रीय महत्व की विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों के लिए नोडल एजेंसी या परियोजना प्रबंधन/कार्यान्वयन एजेंसी के रूप में कार्य करता है और राज्य सरकारों, राज्य विद्युत बोर्डों, राज्य विद्युत यूटिलिटी, निजी क्षेत्र के ऋणकर्ताओं आदि के साथ घनिष्ठ समन्वय में कार्य करता है। पूरे भारत में विद्युत उपभोक्ताओं को आउटेज की जानकारी के प्रसार के लिए, कंपनी ने, अपनी सहायक कंपनी नामतः आरईसी पावर डेवलपमेंट एंड कंसल्टेंसी लिमिटेड (जिसे पहले आरईसी विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड ("आरईसीपीडीसीएल") के नाम से जाना जाता था), के माध्यम से विद्युत मंत्रालय के मार्गदर्शन में 'ऊर्जा मित्र' ऐप विकसित किया है। इसके अतिरिक्त, आरईसीपीडीसीएल ग्रामीण क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति के विभिन्न मापदंडों की निगरानी के लिए, विद्युत मंत्रालय की ओर से 11 केवी ग्रामीण फीडर निगरानी योजना के कार्यान्वयन के लिए नोडल एजेंसी है, जिससे यह विद्युत क्षेत्र के विकास में योगदान देता है।

बौद्धिक पूंजी प्रत्यक्ष तौर पर मानव संसाधन से जुड़ी हुई है और आरईसी की कार्यनीति का मुख्य आधार है। विद्युत क्षेत्र के संगठनों के अभियंताओं (इंजीनियरों) और प्रबंधकों की विकास और प्रशिक्षण संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए, आरईसी का हैदराबाद में एक अग्रणी प्रशिक्षण संस्थान नामतः आरईसी विद्युत प्रबंधन एवं प्रशिक्षण संस्थान (इंस्टीट्यूट ऑफ पावर मैनेजमेंट एंड ट्रेनिंग (आरईसीआईपीएमटी) है। चल रही महामारी के बावजूद, आरईसीआईपीएमटी ने वित्तीय वर्ष 2020–21 में 82,420 मानव–दिन का प्रशिक्षण सफलतापूर्वक प्रदान किया है।

आरईसी ने अपने व्यवसाय के लिए आवश्यक मूल दक्षताओं को विकसित किया है तथा पर्याप्त प्रशिक्षण और कौशल प्रदान करके इसे बढ़ावा देता रहता है।

मानव पूंजी

मानव पूंजी का अर्थ कर्मचारियों द्वारा धारित कौशल, ज्ञान, दक्षताएं और विशेषताएं हैं, जो संगठन को अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने, वृद्धि करने, विकसित करने और नूतनता बनाए रखने में मदद करती हैं। इसमें पूरे देश के प्रतिष्ठित संस्थानों से प्रतिभावान कर्मचारियों की सेवाएं प्राप्त करने और शामिल करना, उनकी प्रतिभा का उन्नयन करना, उनके कौशल का विकास करना, प्रदर्शन प्रबंधन और कर्मचारी का कल्याण एवं सुरक्षा को कवर किया जाता है।

आरईसी में सौहार्द्रपूर्ण संस्कृति और और सहयोगी परिवेश के साथ–साथ पेशेवर योग्य, अनुभवी और कुशल कार्यबल है, जो न केवल इसकी मानव पूंजी को प्रेरित करता है बल्कि इसे कंपनी में बनाए भी रखता है। कंपनी में सुदृढ़ मानव संसाधन प्रणाली मौजूद है जो मानव संसाधनों के प्रभावी प्रबंधन में मददगार होती है जिससे उत्पादकता में वृद्धि होती है।

आरईसी का लक्ष्य व्यवसाय कुशाग्रता और कर्मचारियों के बेहतर प्रदर्शन के लिए अपेक्षित कौशलों में और अधिक सुधार लाना है तथा यह *"दिव्यांग कर्मचारियों"* सहित कर्मचारियों को अपने प्रदर्शन और उत्पादकता में सुधार के लिए उन्हें हर संभव अवसर और सहायता भी प्रदान करता है। आरईसी सर्वोत्तम प्रबंधन परिपाटियों का अनुसरण करता है और इसने सामान्य कानूनों, विनियमों और बेहतरीन नैतिक परिपाटियों के अनुरूप कर्मचारी कल्याण–उन्मुख अनेक नीतियों को अपनाया है।

आरईसी समग्र कार्य–जीवन संतुलन पर फोकस करता है, जिसमें कर्मचारियों को देखभालपूर्ण और विकासात्मक परिवेश प्रदान करने का प्रयास किया जाता है। कर्मचारी विभिन्न खेलकूद प्रतियोगिताओं, सांस्कृतिक, साहित्यिक कार्यक्रमों और प्रश्नोत्तरी में भी भाग लेते हैं जिससे उनके समग्र विकास को बढ़ावा मिलता है। आरईसी गुरुग्राम, हरियाणा में इसके अत्याधुनिक कार्यालय भवन में मौजूद व्यायामशाला आदि जैसी सुविधाओं के माध्यम से अपने कर्मचारियों के समग्र विकास को बढ़ावा देता है। आरईसी ने अपने कर्मचारियों के बीच विश्वास और सहयोग के परिवेश का निर्माण किया है, जिसके परिणामस्वरूप एक उत्साहित कार्यबल का निर्माण संभव हुआ है तथा व्यावसायिक प्रदर्शन में निरंतर सुधार हुआ है।

अपने कार्यस्थल पर इसके द्वारा निर्मित एक स्वस्थ संस्कृति के साक्षी के रूप में, आरईसी लिमिटेड ने वीमेन अचीवर्स समिट और अवार्ड्स 2020 में एक्सचेंज4मीडिया द्वारा 'सर्वश्रेष्ठ महिला अधिकारिता संगठन' का पुरस्कार जीता है। आरईसी लिमिटेड, लैंगिक समानता पर जागरूकता का प्रसार और एक लाभकारी कार्य–परिवेश, जो इसे अपने कर्मचारियों के लिए पेशेवरों और विशिष्ट–व्यक्ति के रूप में विकसित होने के लिए अनुकूल बनाता है, को बढ़ावा देते हुए, अपनी पहलों, समर्थन ढांचों के माध्यम से अपनी महिला कर्मचारियों को सशक्त बनाते हुए उदाहरण पेश करने में निरंतर अग्रणी रहा है।

इसके अतिरिक्त, इस महामारी के दौरान कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और उनके बेहतर स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए, कार्यालय परिसर में नियमित रूप से स्वच्छता अभियान चलाने के अलावा, विद्युत क्षेत्र के विभिन्न सीपीएसई (केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों) के कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों के लिए अपोलो अस्पताल के सहयोग से टीकाकरण शिविर आयोजित किए गए।

आरईसी का मानना है कि मानव पूंजी किसी संगठन के लिए सबसे महत्वपूर्ण परिसंपत्ति है।

सामाजिक और संबंध पूंजी

सामाजिक और संबंध पूंजी का अर्थ किसी संगठन और इसके पणधारियों के बीच संबंध द्वारा सृजित संसाधन और मूल्य हैं। इन संबंधों में समुदाय, सरकार, ग्राहकों और आपूर्ति श्रृंखला के भागीदारों के साथ संबंध शामिल हैं। आरईसी का उद्देश्य लोगों के जीवन और समाज में बड़े पैमाने पर सकारात्मक परिवर्तन लाना है। कंपनी समाज की अपेक्षाओं को पूरा करने की दिशा में निरंतर प्रयासरत है ताकि सामाजिक और आर्थिक असमानता में वास्तविक और स्थायी लाने कमी के साथ–साथ पर्यावरण की रक्षा में मदद की जा सके।

कंपनी, भर्तियों में महिलाओं और अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग आदि वर्गों के व्यक्तियों के लिए आरक्षण के संबंध में भारत सरकार द्वारा समय–समय पर जारी दिशा–निर्देशों/निर्देशों का भी पालन कर रही है।

वित्तीय वर्ष 2020–21 के लिए, आरईसी का सीएसआर बजट ₹144.32 करोड़ (ठीक पहले के तीन वित्तीय वर्षों के दौरान कंपनी के औसत निवल लाभ के @ 2% की दर पर परिकलित) था। इसके सापेक्ष, आरईसी ने विभिन्न सीएसआर परियोजनाओं के लिए ₹147.77 करोड़ की राशि संवितरित की थी।

इसमें, वित्तीय वर्ष 2020–21 के दौरान, प्रधानमंत्री नागरिक सहायता और आपातकालीन स्थिति राहत (पीएम केयर्स) कोष में ₹50 करोड़, प्रवासी श्रमिकों, स्वास्थ्य कर्मियों और गरीब व्यक्तियों को भोजन, राशन, सैनिटाइजर, मास्क, पीपीई किट आदि प्रदान करने के लिए ₹6.93 करोड़ और पश्चिम बंगाल, नागालैंड और दादरा व नगर हवेली में कोविड–19 के टीकों के भंडारण के लिए शीत श्रृंखला उपकरण की व्यवस्था के लिए ₹0.72 करोड़ का अंशदान शामिल है।

आरईसी फाउंडेशन, जो आरईसी लिमिटेड की सीएसआर इकाई है, ने सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली में चिकित्सा कर्मचारियों के लिए विशिष्ट रूप से तैयार पौष्टिक भोजन के पैकेटों के वितरण के लिए ताजसैट्स (आईएचसीएल और एसएटीएस लिमिटेड का एक संयुक्त उद्यम) के साथ भागीदारी की थी और नई दिल्ली में फ्रंटलाइन स्वास्थ्य देखभाल कर्मियों के प्रति कृतज्ञता के भाव के रूप में प्रतिदिन भोजन के 300 पैकेट प्रदान किए। इसके अलावा, विभिन्न जिलों के प्राधिकारियों, गैर–सरकारी संगठनों और विद्युत वितरण कंपनियों के साथ सहयोग से आरईसी ने कोविड–19 लॉकडाउन के दौरान पूरे देश में जरूरतमंद लोगों को पका हुआ भोजन और राशन भी उपलब्ध कराया। इसके अतिरिक्त, वित्तीय वर्ष 2020–21 में *स्वच्छता पखवाड़े* के दौरान, देश भर में स्थित विभिन्न क्षेत्रीय कार्यालयों द्वारा जरूरतमंदों को स्वच्छता किटों का वितरण किया गया।

आरईसी वंचित, कमजोर और अधिकारहीन पणधारियों के लिए अनेक उपाय करता है और इस प्रकार सामाजिक पूंजी का संवर्धन करता है।

अपनी सीएसआर इकाई–आरईसी फाउंडेशन के माध्यम से आरईसी लिमिटेड ने देश भर के विभिन्न स्थानों में आर्टिफिशियल लिम्ब्स मैन्युफैक्चरिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एएलआईएमसीओ) के माध्यम से सहायक–यंत्र और उपकरण वितरित किए हैं। सहायक–यंत्रों और उपकरणों में ट्राई–साइकिल, फोल्डिंग व्हील चेयर, बैसाखी, वॉकिंग स्टिक, हियरिंग मशीन, स्मार्ट केन, सेलफोन, ब्रेल किट आदि शामिल थे।

आरईसी लिमिटेड को "महिला सशक्तिकरण" के क्षेत्र में अपने प्रयासों के लिए 'सीएसआर शाइनिंग स्टार अवार्ड' से भी सम्मानित किया गया था। पिछले कुछ वर्षों में, अपनी सीएसआर इकाई "आरईसी फाउंडेशन" के माध्यम से आरईसी लिमिटेड, नागरिकों के उत्थान और कल्याण में मदद करते हुए उदाहरण पेश करने में अग्रणी रहा है। इसने स्वच्छता, स्वास्थ्य–कारिता, सामाजिक विकास और शिक्षा के क्षेत्र में सक्रिय रूप से और व्यापक रूप से सहायता प्रदान की है।

प्राकृतिक पूंजी

प्राकृतिक पूंजी का अर्थ – नवीकरणीय और गैर–नवीकरणीय पर्यावरण संसाधन जैसे जल, भूमि, ऊर्जा हैं जिन पर किसी संगठन का संचालन निर्भर करता है। आरईसी सदैव प्राकृतिक संसाधनों की खपत में कमी के साथ–साथ इनकी बर्बादी को कम करते हुए, पर्यावरण की रक्षा करने का प्रयास करता है।

ऊर्जा–संरक्षण करने के लिए, भवन एचवीएसी लोड आवश्यकता को लगभग 30% कम करने के लिए, गुरुग्राम में आरईसी के नए कार्यालय भवन को ऊर्जा कुशल अग्रभाग और रेडिएंट कूलिंग स्लैब का उपयोग करके डिजाइन और निर्मित किया गया है। इसके अतिरिक्त, भवन की ऊर्जा खपत को नेट जीरो (खपत के बराबर नवीकरणीय स्रोतों से उत्पादन) करने हेतु, आरईसी की विद्युत आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए, इस भवन की ऊपरी छत पर सौर मंडल संरचना (सोलर परगाल स्ट्रक्चर) द्वारा समर्थित 964kWp का एक सौर संयंत्र संस्थापित किया गया है।

अपनी सीएसआर पहलों के अंतर्गत कंपनी ने, असंतोषजनक विद्युतीकृत क्षेत्रों में सौर लालटेन के वितरण, विभिन्न शिक्षण संस्थानों और अस्पतालों के परिसर में सौर पीवी संयंत्र की संस्थापना, कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लिए ग्रामीण में एलईडी आधारित सौर स्ट्रीट लाइट की स्थापना आदि के माध्यम से पर्यावरणीय स्थिरता सुनिश्चित करते हुए विभिन्न परियोजनाओं का संचालन करता है।

आरईसी सौर, पवन, बायोमास, सह–उत्पादन, लघु जलविद्युत परियोजनाओं आदि जैसी हरित ऊर्जा परियोजनाओं के वित्तपोषण पर अधिक जोर देकर वैश्विक पर्यावरणीय मुद्दों को संबोधित कर रहा है। आरईसी ऐसी परियोजनाओं के वित्तपोषण के लिए रियायती ब्याज दरों की पेशकश करता है, जिससे यह देश की जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता में कमी में सहायता प्रदान कर रहा है। आरईसी सौर मॉड्यूल और सेल विनिर्माण इकाई, चार्जिंग अवसंरचना के साथ–साथ इलेक्ट्रिक–वाहनों, जो एक स्वच्छ तकनीक है, जिसके निकट भविष्य में बड़े पैमाने पर आने की उम्मीद है, का भी वित्तपोषण कर रहा है।

आरईसी ने जुलाई, 2017 में, दस वर्ष की अवधि के लिए, 450 मिलियन अमरीकी डॉलर के ग्रीन बॉन्ड जुटाए हैं, जिनसे सृजित आय का उपयोग आरईसी के ग्रीन बॉन्ड फ्रेमवर्क में परिभाषित पात्र परियोजनाओं के पुनर्वित्तपोषण सहित सौर परियोजनाओं, पवन परियोजनाओं और नवीकरणीय क्रय दायित्वों के वित्तपोषण के लिए किया गया है, जिससे सकारात्मक पर्यावरणीय प्रभाव और जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता को कम करके भारत की ऊर्जा सुरक्षा के सुदृढ़ीकरण में योगदान दिया गया।

आरईसी देश भर में अपने सभी कार्यालयों में 'ई–ऑफिस' प्रणाली पर कार्य कर रहा है, जिससे इसने अपने कर्मचारियों को न्यूनतम कार्बन फुटप्रिंट के साथ कार्य करने में सक्षम बनाया है। इसके अलावा, जहां भी संभव हो, डिजिटलीकरण प्रक्रियाओं द्वारा कागज की खपत को कम करने का प्रयास किया जाता है। कोविड–19 महामारी के प्रकोप को ध्यान में रखते हुए, आरईसी अपने कर्मचारियों को दूरस्थ कार्य पद्धतियों का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करता रहा है। आरईसी ने विभिन्न पर्यावरण अनुकूल परिपाटियों जैसे बैठकों में कांच की बोतलों और कांच के गिलास के उपयोग को बढ़ावा देना, प्लास्टिक के फोल्डरों के स्थान पर कार्ड बोर्ड के फोल्डरों का उपयोग करना, प्लास्टिक की वस्तुओं के बजाय स्टील कटलरी का उपयोग करना आदि को अपनाया है। विद्युत के संरक्षण के लिए भी विभिन्न उपाय अपनाए जाते हैं। कंपनी अपने इलेक्ट्रॉनिक कचरे को कम करती है और सरकार / प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के साथ पंजीकृत रिसाइक्लर के माध्यम से इसका जिम्मेदारीपूर्ण निपटान सुनिश्चित करती है।